मन मौजी राम कईयां डोले रे आंको बाकों लिरिक्स

मन मौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों,
माया का लोभी,
कईयां डोले रे आंको बाकों,
राम भजन में प्रीत लगा ले,
बिगड़ जाए वो खाकों,
मनमौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों।bd।

गुरु से ज्ञान ज्ञान से मुक्ति,
कहना मान बड़ा को,
बिना सत्संग विवेक ना होवे,
यही ध्यान में रांखो,
मनमौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों।bd।

यो तो माल धणयां को भाया,
किया करें छां हांको,
गई गई ने जावण दयो,
थे रही सही ने राखों,
मनमौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों।bd।

अपने मतलब कारणे,
कईयां ने कह तो काको,
भीड़ पडया तु कहतो डोले,
कोई नहीं छां म्हाकों,
मनमौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों।bd।

गुरु ही ब्रह्मा गुरु ही विष्णु,
यही ध्यान में राखों,
कहैं मोजीराम सुनो भाई साधो,
दया नैण सू झाकों,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मनमौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों।bd।

मन मौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों,
माया का लोभी,
कईयां डोले रे आंको बाकों,
राम भजन में प्रीत लगा ले,
बिगड़ जाए वो खाकों,
मनमौजी राम,
कईयां डोले रे आंको बाकों।bd।

गायक – गुरु कन्हैया लाल जी शर्मा।
प्रेषक – ओम प्रकाश गोस्वामी।
8233982173

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com